सिरेमिक के लिये उत्कृष्टता केंद्र

चर्चा में क्यों?

राजस्थान में सिरेमिक के लिये एक नया उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जा रहा है। यह **अन्वेषण,** खनन**, प्रसंस्करण और विश्व स्तरीय अनुसंधान** के साथ उद्योग को बढ़ावा देने के लिये तैयार है।

मुख्य बिंदु

- **प्रचुर मात्रा में सिरेमिक खनिज भंडार:**
  - राजस्थान में बॉल क्ले, सिलिकोसिस सैंड, क्वार्ट्ज**,** चाइना क्ले और फेल्डस्पार जैसे सिरेमिक खनिजों के **विशाल भंडार हैं।**
  - राजस्थान में **सिरेमिक आधारित उद्योगों और रोज़गार सृजन** की पर्याप्त संभावनाएँ होने के बावजूद, **प्रसंस्करण के लिये कच्चा माल अन्य राज्यों को भेजा जा रहा है।**
- **केंद्र की भूमिका:**
  - यह केंद्र स्थानीय संसाधनों के उपयोग को अनुकूलतम बनाते हुए सिरेमिक खनिजों के **खनन, प्रसंस्करण और विनिर्माण के लिये तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करेगा।**
  - परिचालन के पहले दिन से ही उपयोगिता सुनिश्चित करने के लिये इसकी सेवाएँ पूर्व-परिभाषित की जाएँगी।
- **फोकस क्षेत्र:**
  - निम्नलिखित के उत्पादन के लिये सिलिकोसिस खनिजों की खोज पर मुख्य ज़ोर दिया जाएगा:
    - विद्युत आपूर्ति के लिये इन्सुलेटर
    - सेनेटरीवेयर उत्पाद
    - रियल एस्टेट क्षेत्र के लिये टाइलें
    - मिट्टी के बर्तन और ईंटें
    - इलेक्ट्रॉनिक्स के लिये अर्द्धचालक
- **हितधारक योगदान:**
  - केंद्र के उद्देश्यों और परिचालन ढाँचे को परिष्कृत करने के लिये **बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, केंद्रीय ग्लास और सिरेमिक अनुसंधान संस्थान (CGCRI)** और IIT (BHU) के अधिकारियों सहित प्रमुख विशेषज्ञों से सुझाव प्राप्त हुए।

केंद्रीय ग्लास और सिरेमिक अनुसंधान संस्थान (CGCRI)

- CGCRI एक राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान है **जिसका मुख्यालय कोलकाता में है,** जो वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के अधीन कार्य करता है।
- **1950 में स्थापित** यह संस्थान **काँच, चीनी मिट्टी, अभ्रक और रिफ्रैक्टरीज** जैसे क्षेत्रों में **अनुसंधान और विकास में विशेषज्ञता रखता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/centre-of-excellence-for-ceramics